पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे किले और महल

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : पर्यटन विभाग ने प्रदेश में हेरिटेज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई नीति लाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर राजघरानों के प्रतिनिधियों व निवेशकों से सुझाव लिए जा रहे हैं। साथ ही राजस्थान माडल पर प्रदेश के राजमहलों, कोठियों तथा किलों को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किए जाने का खाका भी पर्यटन विभाग खींच रहा है।

शनिवार को ताज होटल में आयोजित हेरिटेज पर्यटन कान्क्लेव में आए राजघरानों के प्रतिनिधियों व निवेशकों से पर्यटन विभाग ने नई हेरिटेज नीति को लेकर सुझाव लिए। विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि सरकार जल्द ही हेरिटेज पर्यटन की नीति ला रही है। इसके तहत पीपीपी (सार्वजनिक निजी भागीदारी) मोड पर राजघरानों के महलों, कोठियों व किलों को पर्यटन केंद्र के रूप में तब्दील करने के लिए सहयोग किया जाएगा। सड़क, सूचना बोर्ड लगाने सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाएं सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई जाएंगी। भगवान बुद्ध के छह महत्वपूर्ण स्थल उत्तर प्रदेश में हैं। यहां बड़ी संख्या में देशी-विदेशी श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। सबसे पुराने किलों में से एक चुनारगढ़ का किला भी यहीं है। निवेशकों की सुविधानुसार हेली सर्विस का विस्तार किया जाएगा।

होटल ताज में शनिवार को आयोजित हेरिटेज कान्क्लेव में लोगों को संबोधित करते प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम ● पर्यटन विभाग

विशेष सचिव ईशा प्रिया ने कहा कि राम और कृष्ण की भूमि उत्तर प्रदेश में अब हेरिटेज पर्यटन को विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। निदेशक प्रखर मिश्रा ने कहा कि बुंदेलखंड में हेरिटेज पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। टहरौली फोर्ट और रघुनाथ राव महल झांसी, ललितपुर स्थित तालबेहट का किला, महोबा में मस्तानी महल, सेनापति महल, कोठी तालाब, कालिंजर का किला, भूरागढ़ किला बांदा, मथुरा के सीताराम महल, लखनऊ की गुलिस्तां-ए-इरम एंड दर्शन विला, कानपुर के टिकैत राय बारादरी को पर्यटन गतिविधियों के लिए विकसित करने की योजना है।

फिल्म निर्देशक मुजफ्फर अली ने कहा कि फिल्मों के जरिये उत्तर प्रदेश की धरोहरों को पहले ही दुनिया के सामने लाया जा चुका है। अपनी फिल्म उमराव जान का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि इस फिल्म की अधिकांश शूटिंग लखनऊ के अलग-अलग हिस्सों में ही हुई थी। कार्यक्रम में राजा अमरेश प्रताप सिंह, आशिमा सिंह, राकेश प्रताप सिंह, गोविंद प्रधान, सिद्धार्थ सिंह, केशवेंद्र सिंह सहित 52 राजघरानों के वंशज और होटल मालिकों के अलावा निवेशक तथा रियल एस्टेट व्यवसायी उपस्थित थे। कान्क्लेव में नीमराना होटल्स, एमआरएस ग्रुप जैसलमेर के संचालक मानवेंद्र सिंह शेखावत ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की तुलना में उत्तर प्रदेश में हेरिटेज पर्यटन के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। विशेष सत्र में होटल व्यवसायियों और राजघरानों के प्रतिनिधियों के बीच संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का संदेश भी सुनाया गया।